

2019

SANSKRIT

( Major )

Paper : 5.1

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks  
for the questions

1. Answer the following questions in brief :  $1 \times 7 = 7$ 
  - (a) What is the metre (छन्दस्) of the *Indrasūkta* (Rv., 2.12)?
  - (b) What is the case-ending (विभक्ति) in महा in नृम्णस्य महा स जनास इन्द्रः?
  - (c) What is the meaning of the word 'समत्सु' in संवृक्त् समत्सु स जनास इन्द्रः?
  - (d) Who is the seer (ऋषि) of the *Devisūkta* (Rv., 10.125)?
  - (e) Disjoin the word 'अहमश्चिनोभा'.

- (f) Who is the deity (देवता) in the *Samjñānasūkta* (Rv., 10.191)?
- (g) What is the root in the word 'उपासते'?
2. Explain in Sanskrit any two of the following Rks, mentioning the name of the क्रषि, the छन्दस्, the देवता and the विनियोग in each case :  $5 \times 2 = 10$

(a) यः पृथिवीं व्यथमानामद्दृहद्  
 यः पर्वतान् प्रकुपितां अरमणात्।  
 यो अन्तरिक्षं विमे वरीयो  
 यो यामस्तभ्नात् स जनास इन्द्रः॥

(b) अहं रुद्रेभिर्वसुभिश्च-  
 म्यहमादित्यैरुत विश्वदेवैः।  
 अहं मित्रावरुणोभा विभ-  
 म्यहमिन्द्राग्नी अहमश्चिनोभा॥

(c) समानो मन्त्रः समितिः समानी  
 समानं मनः सह चित्तमेषाम्।  
 समानं मन्त्रमभि मन्त्रये वः।  
 समानेन वो हविषा जुहोमि॥

3. Write grammatical notes on any four of the following :  $2 \times 4 = 8$

जनासः ; जजानं ; रुद्रेभिः ; मित्रावरुणा ; व्यद्युः ;  
 जुहोमि।

4. Discuss the greatness of Indra as delineated in the *Indrasūkta* of the *Rgveda* (2.12).  $10$

Or

Write a note on the significance of the *Samjñānasūkta* of the *Rgveda* (10.191)

5. Translate into English any one of the following : 5

(a) असंवाधं वैध्यतो मानवानं  
 यस्या उद्धतः प्रवर्तः सुमं बहु।  
 नाना वीर्या ओषधीर्या विभर्ति  
 पृथिवी नः प्रथतां राध्यतां नः॥

(b) विश्वंभरा वसुधानी प्रतिष्ठा  
 हिरण्यवक्षा जगतो निवेशनी।  
 वैश्वानरं विभ्रती भूमिरग्नि-  
 मिन्द्रक्रषभा द्रविणे नो दधातु॥

6. Write a note on the contents of the *Bhūmisūkta* (Av. 12.1.1—10), prescribed as your text. 10
7. Explain fully the following (any one) : 10
- (a) स हास्मै वाचमुवाद। विभृहि मा पारयिष्यामि त्वेति कस्यान्मा पारयिष्यसीत्यौध इमाः सर्वा प्रजा निर्वोढा ...।
- (b) तमेव भृत्वा समुद्रमभ्यवजहार। स यतिर्थी तत्समां परिदिदेश ततिर्थी समां नावमुपकल्प्योपासाश्वके।

★ ★ ★

2. गद्यालोक एवं गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी

गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी  
गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी  
गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी  
गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी

गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी  
गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी  
गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी  
गद्यालोक अनुसार अधिकारी अधिकारी